बैटलिप्सि चंद्रायणी

[स्रोत: द हिंदू](#)

कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्त्ताओं ने **चंद्रयान-3 चंद्रमा मिशन** के सम्मान में तमिलनाडु के **दक्षिण-पूर्वी तट** से नई खोजी गई समुद्री टार्डिग्रेड प्रजाति का नाम **बैटलिप्सि चंद्रायणी (Batillipes Chandrayaani)** रखा है।

- यह **तमिलनाडु के मंडपम में उच्च और निम्न ज्वार** के निशानों के बीच **रेतीले क्षेत्र** में पाया गया था।
- यह टार्डिग्रेड **39वें** प्रकार का टार्डिग्रेड है जिसे बैटलिप्सि नाम से वर्गीकृत किया गया है।
- इसका एक सिर है जो एक समलंबाकार जैसा दिखता है और चीज़ों को महसूस करने के लिये **नुकीले रीढ़ वाले चार जोड़ी पैर हैं।**
- **टार्डिग्रेड्स:**
  - ये छोटे जीव, जिन्हें अक्सर **"वॉटर बियर (water bears)"** कहा जाता है, सूक्ष्म अदृश्य प्रकार के हैं।
  - हमें ज्ञात सभी टार्डिग्रेड प्रजातियों में से 17% समुद्री टार्डिग्रेड हैं और वे महासागरों में निवास करते हैं।
    - टार्डिग्रेड्स ने **क्रिप्टोबायोसिस** नामक प्रक्रिया से गुज़रकर पर्यावरणीय परिस्थिति को अनुकूलित किया है।
    - क्रिप्टोबायोसिस को एक ऐसी स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें **चयापचय (Metabolic) गतिविधियाँ प्रतिवर्ती ठहराव में आ जाती हैं।**
  - अपने सूक्ष्म आकार के बावजूद, ये **सूक्ष्म-मेटाज़ोआ** बड़े पैमाने पर विलुप्त होने से बचने और अपनी उल्लेखनीय जीवित रहने की क्षमताओं के लिये मान्यता अर्जित करने में अविश्वसनीय रूप से लचीले प्रकार के हैं।

[//](#)

और पढ़ें: [चंद्रयान-3 प्रोपल्शन मॉड्यूल पृथ्वी की कक्षा में लौटा](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/batillipes-chandrayaani